इकाई 2

उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धांत

[PRINCIPLE OF CONSUMER'S BEHAVIOUR]

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए—

1. उपभोक्ता का संतुलन होता है—

(a) $MU_x = P_x$ (b) $MU_x > P_x$

(c) $MU_x < P_x$ (d) $MU_x \div P_x$.

2. मार्शल ने सम-सीमांत उपयोगिता नियम का कथन दिया है—

(a) वस्तु के संबंध में (b) मुद्रा के संबंध में

(c) उपर्युक्त दोनों के संबंध में (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

3. बजट रेखा को कितने अनधिमान वक्र स्पर्श करते हुए हो सकते हैं—

(a) एक (b) दो

(c) अनेक (d) तटस्थता मानचित्र के आधार पर निर्भर करत

4. तटस्थता वक्रों का प्रयोग सर्वप्रथम 1881 में किया गया था—

(a) एजवर्थ द्वारा (b) पेरिटो द्वारा (c) मेयर्स द्वारा (d) हिक्स द्वारा।

5. एक वस्तु की माँग के बारे में कोई भी वक्तव्य पूर्ण माना जाता है, जब उसमें निम्नलिखित जिक्र हो—

(a) वस्तु की कीमत (b) वस्तु की माँग (c) समय अवधि (d) उपर्युक्त सभी।

6. यदि वस्तु x की कीमत गिरने से, वस्तु y की माँग बढ़ती है, तो दोनों वस्तुएँ परस्पर हैं—

(a) प्रतिस्थापी (b) पूरक (c) संबंधित नहीं (d) प्रतियोगी।

7. अर्थशास्त्र में उपयोगिता का आशय— **(म. प्र. 201**

(a) किसी वस्तु की आवश्यकता पूरी करने की शक्ति

(b) आनंद

(c) खुशी

(d) उपादेयता।

8. तटस्थता वक्र का झुकाव रहता है— **(म. प्र. 201**

(a) कीमत अनुपात (b) घटता हुआ

(c) घटक प्रतिस्थापन (d) सीमांत उपयोगिता।

9. पेट्रोल की कीमत बढ़ जाने पर कार की माँग वक्र खिसक जाती है— **(म. प्र. 201**

(a) दायीं तरफ (b) ऊपर की ओर

(c) बायीं तरफ (d) नीचे की ओर।

10. वस्तु की हर अगली इकाई के प्रयोग से सीमांत उपयोगिता— **(म. प्र. 202**

(a) घटती है (b) बढ़ती है (c) समान रहती है (d) शून्य हो जाती है

11. निम्नांकित में से कौन-सी वस्तु पूरक वस्तु है— **(म. प्र. 202**

(a) चाय तथा कॉफी (b) कोक तथा पेप्सी

(c) चावल तथा गेहूँ (d) इनमें से कोई नहीं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 5. एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिए—

1. कौन-सा वक्र उद्गम की ओर उन्नतोदर होता है ?
2. किस स्तर के बाद सीमान्त उपयोगिता तथा कुल उपयोगिता घटने लगती है ?
3. उपभोक्ता को प्राप्त होने वाली उपयोगिता के अधिकतमीकरण का बिन्दु क्या कहलाता है ?
4. विलासिता की वस्तुओं की माँग की लोच किस प्रकार की होती है ?
5. उत्पादन के साधनों की माँग किस प्रकार की होती है ?

उत्तर— 1. तटस्थता वक्र, 2. शून्य स्तर पर, 3. उपभोक्ता संतुलन, 4. अत्यधिक लोचदार, 5. व्युत्पन्न माँग

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. कुल उपयोगिता अधिकतम कब होती है ?

उत्तर—जब सीमांत उपयोगिता (MU) शून्य होती है तब कुल उपयोगिता (TU) अधिकतम होती है। इ ही 'पूर्ण तृप्ति' का बिन्दु भी कहते हैं।

प्रश्न 2. उदासीनता वक्र नकारात्मक ढाल क्यों बनाते हैं ?

उत्तर—उदासीनता वक्र सामान्यतः नकारात्मक ढाल (बाएँ से दाएँ) नीचे की ओर) बनाते हैं। इस कारण यह है कि दो वस्तु के विभिन्न संयोगों से उपभोक्ता को समान संतुष्टि मिले, इसके लिए जब उपभोक्ता एक वस्तु (X) की मात्रा बढ़ाता है तो दूसरी वस्तु (Y) की मात्रा में कमी करनी पड़ती है।

प्रश्न 3. माँग की बिन्दु लोच क्या है ?

उत्तर—इस विधि के अंतर्गत एक सीधी माँग रेखा के किसी बिन्दु पर माँग की लोच को मापने के लि माँग रेखा पर स्थित उस बिन्दु से माँग के नीचे की दूरी को, बिन्दु से माँग रेखा की ऊपर की दूरी से भाग दि जाता है। यदि भागफल 1 से अधिक आए तो माँग की लोच इकाई से अधिक ($E_p > 1$) होगी। यदि भागफल आतो हो तो माँग की लोच इकाई के बराबर ($E_p = 1$) होगी। और यदि भागफल 1 से कम हो तो माँग की लो इकाई से कम ($E_p < 1$) होगी।

प्रश्न 4. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम के दो व्यावहारिक महत्व बताइए।

उत्तर—महत्व—(1) माँग के नियम का आधार—यह नियम बताता है कि माँग वक्र बायें से दायें क झुका होता है ? एक व्यक्ति जैसे-जैसे किसी वस्तु का अधिकाधिक उपभोग करता है, वैसे-वैसे उस वस्तु मिलने वाली उपयोगिता कम होती जाती है।

(2) उपभोक्ता की बचत में महत्व—यह नियम बताता है कि एक उपभोक्ता किसी वस्तु को उस बि तक क्रय करता है, जहाँ पर उस वस्तु की सीमांत उपयोगिता उसके मूल्य के बराबर होती है।

(3) सम-सीमांत उपयोगिता नियम का आधार—चूँकि प्रत्येक व्यक्ति अपनी सीमित आय से अधिकत संतुष्टि चाहता है, अतः इसके लिए सम-सीमांत उपयोगिता नियम की सहायता ली जाती है, किन्तु सम-सीमां उपयोगिता नियम स्वयं सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम पर आधारित है।

प्रश्न 5. धनात्मक और ऋणात्मक उपयोगिता से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—यदि कोई उपभोक्ता किसी वस्तु का लगातार उपभोग करता है तो उस वस्तु से मिलने वाल उपयोगिता में कमी होती है किन्तु धनात्मक होती है। यदि उपभोग का क्रम निरन्तर जारी रखें तो एक बिन्दु प आकार उपयोगिता शून्य हो जाती है उसके बाद भी उपभोग का क्रम जारी रहता है तब मिलने वाली उपयोगित ऋणात्मक कहलाती है।

प्रश्न 6. बजट रेखा क्या है ? यह दायीं ओर कब खिसकती है ?

उत्तर—बजट रेखा का आशय उस रेखा से है जिस पर उपभोक्ता अपनी संपूर्ण आय को सभी बंडलों प व्यय कर देता है। संक्षेप में यह रेखा उन सभी बंडलों का प्रतिनिधित्व करती है जिन पर उपभोक्ता की संपूर्ण आय, व्यय हो जाती है। इसके अंतर्गत वे सभी बंडल आते हैं जिनकी कीमत उपभोक्ता की आय के ठीक बराब होती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 7. पूर्णतः बेलोचदार माँग किसे कहते हैं ?

उत्तर—जब किसी वस्तु के मूल्य में बहुत अधिक परिवर्तन होने पर भी उसकी माँग में कोई परिवर्तन नहीं होता तो उसे पूर्णतया बेलोचदार माँग ($E_p = 0$) कहते हैं।

प्रश्न 8. जलवायु तथा मौसम का माँग पर क्या प्रभाव होता है ?

उत्तर—वस्तु की माँग पर मौसम और जलवायु का भी प्रभाव पड़ता है। **जैसे**—पंखा, कूलर, फ्रीज, ठण्डा पेय आदि की माँग गर्मियों में बढ़ जाती है। इसी प्रकार ऊनी कपड़े, हीटर आदि की माँग सर्दियों में बढ़ जाती है। इसी प्रकार छाते, बरसाती आदि की माँग बरसात के दिनों में बढ़ जाती है।

प्रश्न 9. माँग और आवश्यकता में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (कोई दो)

उत्तर—माँग और आवश्यकता में अन्तर—

क्र.	माँग	आवश्यकता
1.	आवश्यकता से माँग बनती है।	इच्छा से आवश्यकता का जन्म होता है।
2.	माँग परिवर्तित होती है अर्थात् मूल्य व समय बदलने पर माँग भी बदलती रहती है।	आवश्यकता की प्रकृति लगभग स्थायी होती है।

प्रश्न 10. स्थानापन्न वस्तुएँ क्या हैं ?

उत्तर—यह वह वस्तुएँ हैं जिनका प्रयोग एक-दूसरे के बदले में किया जाता है। उदाहरण के लिए, चाय और कॉफी, कॉम्प्लान और बोर्नविटा एक-दूसरे के स्थानापन्न वस्तुएँ हैं। एक वस्तु के मूल्य में वृद्धि होने से दूसरी वस्तु सस्ती हो जाती है। इससे दूसरी वस्तु की माँग बढ़ जाती है।

प्रश्न 11. बजट रेखा किसे कहते हैं ? या बजट लाइन किसे कहते हैं ?

(म.प्र. 2019, 20, NCERT)

उत्तर—बजट रेखा का आशय उस रेखा से है जिस पर उपभोक्ता अपनी संपूर्ण आय को सभी बंडलों पर व्यय कर देता है। संक्षेप में यह रेखा उन सभी बंडलों का प्रतिनिधित्व करती है जिन पर उपभोक्ता की संपूर्ण आय, व्यय हो जाती है। इसके अंतर्गत वे सभी बंडल आते हैं जिनकी कीमत उपभोक्ता की आय के ठीक बराबर होती है।

प्रश्न 12. उपभोक्ता बजट समूह (सेट) से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर—उपभोक्ता द्वारा अपनी आय से प्रचलित बाजार मूल्य पर दो वस्तुओं के उन सभी बंडलों को क्रय करने की क्षमता ही बजट (सेट) समूह कहलाता है। इस प्रकार बजट सेट उन सभी बंडलों का समूह होता है जिन्हें वर्तमान बाजार कीमतों पर कोई उपभोक्ता खरीद सकता है।

प्रश्न 13. उदासीनता वक्र क्या है ?

उत्तर—उदासीनता अथवा तटस्थता अथवा अनधिमान वक्र वह है जिसके विभिन्न बिन्दु दो वस्तुओं के ऐसे संयोगों को दर्शाते हैं, जो उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्रदान करते हैं।

प्रश्न 14. उपभोक्ता संतुलन से आप क्या समझते हैं ? **(म.प्र. 2019)**

उत्तर—जब उपभोक्ता को अपनी आय से अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो रही हो तो संतुलन से आशय उपभोक्ता को आय की तुलना में प्राप्त अधिकतम संतुष्टि से है। जिस बिन्दु पर कीमत रेखा तटस्थता वक्र को स्पर्श करती है वही बिन्दु संतुलन बिन्दु कहलाता है।

प्रश्न 15. माँग के नियम तथा माँग की लोच में अन्तर लिखिए।

उत्तर—माँग के नियम और माँग की लोच में अन्तर—

क्र.	माँग का नियम	माँग की लोच
1.	अन्य बातें समान रहने पर माँग का नियम किसी वस्तु की कीमत और इसकी माँगी गयी मात्रा में विपरीत सम्बन्ध को बताता है।	वस्तु की कीमत में परिवर्तन के परिणाम-स्वरूप इसकी माँग में जिस दर से परिवर्तन आता है, उसे माँग की लोच कहते हैं।
2.	माँग का नियम, माँग में परिवर्तन की दिशा को बताता है।	माँग की लोच, माँग में परिवर्तन की मात्रा को बताती है।

Scanned with CamScanner

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. उपयोगिता का क्या अर्थ है ? परिभाषा द्वारा समझाइए। **(म. प्र. 2019)**

उत्तर—दैनिक जीवन में हम विभिन्न वस्तु का उपयोग करते हैं और जिससे हमारी आवश्यकता की पूर्ति होती है या हमें सन्तुष्टि मिलती है। अर्थशास्त्र की भाषा में किसी वस्तु के जिस गुण से मानवीय आवश्यकताओं की सन्तुष्टि होती है उसे उपयोगिता कहते हैं।

प्रो. बाघ के अनुसार—"मानवीय आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने की क्षमता ही उपयोगिता है।"

प्रश्न 2. उपयोगिता की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर—उपयोगिता की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) उपयोगिता व्यक्तिगत होती है—उपयोगिता व्यक्ति से सम्बन्धित होती है। एक वस्तु, एक व्यक्ति के लिए उपयोगी हो सकती है, दूसरे के लिए नहीं। इसके अतिरिक्त एक ही वस्तु की उपयोगिता भिन्न-भिन्न व्यक्तियों के लिए भिन्न-भिन्न हो सकती है।

(2) उपयोगिता मनोवैज्ञानिक धारणा है—उपयोगिता को भावनात्मक रूप से अनुभव किया जा सकता है। इसका कोई भौतिक रूप नहीं होता है। यह मनुष्य की मानसिक संरचना पर निर्भर करती है।

(3) उपयोगिता आवश्यकता की तीव्रता पर निर्भर करती है—उपयोगिता आवश्यकता की तीव्रता पर निर्भर करती है। इसीलिए उपयोगिता को तीव्र इच्छा भी कहते हैं। जैसे—भूखे व्यक्ति को भोजन की आवश्यकता अधिक हो सकती है, पर जो संतृप्त रूप से भोजन कर चुका हो उसे भोजन की आवश्यकता नहीं रह जाती है।

प्रश्न 3. उपयोगिता के विभिन्न प्रकारों को लिखिए।

उत्तर—उपयोगिता प्रमुख रूप से तीन प्रकार की होती है—

(1) कुल उपयोगिता—उपभोक्ता द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तु की सभी इकाइयों से प्राप्त उपयोगिता के सम्पूर्ण योग को कुल उपयोगिता कहते हैं।

(2) औसत उपयोगिता—उपभोक्ता द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तु की कुल उपयोगिता में वस्तु की कुल इकाइयों की संख्या से भाग देने से जो भागफल आता है, उसे औसत उपयोगिता कहते हैं।

(3) सीमान्त उपयोगिता—किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उपभोग से प्राप्त अतिरिक्त उपयोगिता को सीमांत उपयोगिता कहते हैं।

प्रश्न 4. सीमान्त उपयोगिता को प्रभावित करने वाले तत्व कौन-से हैं ?

उत्तर—सीमान्त उपयोगिता निम्न तत्व से प्रभावित होती है—

(1) वस्तु की मात्रा— व्यक्ति के पास वस्तु अधिक मात्रा में है, तो उनकी सीमान्त उपयोगिता कम तथा वस्तु कम मात्रा में है, तो वस्तु की सीमान्त उपयोगिता अधिक होती है।

(2) स्थानापन्न वस्तुएँ— किसी वस्तु की स्थानापन्न वस्तु होने की दशा में वस्तु की सीमान्त उपयोगिता कम होती है, जैसे चाय के स्थान पर कॉफी का प्रयोग और जिन वस्तुओं की कोई स्थानापन्न वस्तु नहीं होती, उनकी सीमान्त उपयोगिता अधिक होती है।

(3) व्यक्ति की आय—व्यक्ति की आय अधिक होने पर भी वस्तुओं की सीमान्त उपयोगिता कम होती है तथा व्यक्ति की आय कम होने पर वस्तु की सीमान्त उपयोगिता अधिक होती है।

प्रश्न 5. उपभोक्ता संतुलन की मान्यताएँ लिखिए। (कोई तीन)

उत्तर— उपभोक्ता संतुलन की प्रमुख मान्यताएँ निम्न प्रकार हैं—

(1) अधिकतम संतुष्टि की प्राप्ति— उपभोक्ता संतुलन की पहली मान्यता यह है कि उपभोक्ता एक विवेकशील प्राणी है और वह दो वस्तुओं को खरीदकर अपनी अधिकतम संतुष्टि को प्राप्त कर लेता है।

(2) विश्लेषण के दौरान उपभोक्ता की रुचि एवं आदत में कोई परिवर्तन नहीं— यह मान्यता है कि एक उपभोक्ता संतुलन की स्थिति के विश्लेषण के दौरान अपनी रुचियों एवं आदतों में समानता पाता है अर्थात् इन दोनों तथ्यों में कोई परिवर्तन दृष्टिगोचर नहीं होता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 9. निम्न स्तरीय वस्तु किसे कहते हैं ? उदाहरण दीजिए। (कोई तीन)

(म. प्र. 2020, NCERT

उत्तर—निम्न स्तरीय वस्तुओं के संबंध में माँग वक्र का ढाल ऋणात्मक होगा जैसा कि गिफिन वस्तु के संबंध में होता है। ज्यों-ज्यों उपभोक्ता की आय बढ़ती है, त्यों-त्यों वह ऐसी वस्तुओं की माँग को घटा है। **उदाहरण**—मक्का, ज्वार, बाजरा।

प्रश्न 10. उपभोक्ता बजट को समझाइए। **(म. प्र. 202**

उत्तर—उपभोक्ता का बजट—मान लीजिए, किसी उपभोक्ता के पास केवल एक निश्चित मात्रा पैसे (आय) ऐसी दो वस्तुओं पर व्यय करने के लिए है, जिनकी लागत बाजार में दी गयी है। उपभोक्ता के लि उपलब्ध उपभोग बंडल दोनों वस्तुओं की कीमत तथा उपभोक्ता की आय पर निर्भर करता है। निश्चित आय त दोनों वस्तुओं की कीमतों को देखते हुए उपभोक्ता केवल उन्हीं बंडलों को खरीद सकता है जिनका मूल्य उस आय से कम हो या बराबर हो।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. माँग के आवश्यक तत्वों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर— माँग के आवश्यक तत्व निम्नलिखित हैं—

(1) वस्तु की इच्छा का होना— माँग के लिये किसी भी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा होनी चाहि जब तक किसी भी वस्तु को पाने की लालसा नहीं होगी वह माँग में नहीं बदल सकती।

Scanned with CamScanner

होता, बल्कि उसे बाजार में प्रचलित मूल्यों पर ही अपनी माँग को समायोजित करना पड़ता है।

प्रश्न 8. माँग की लोच को प्रभावित करने वाले कोई पाँच तत्व लिखिए।

अथवा

माँग की कीमत लोच को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए। (म. प्र. 2020)

उत्तर—माँग की लोच को प्रभावित करने वाले प्रमुख तत्व निम्नलिखित हैं—

(1) स्थानापन्न वस्तुएँ—जिन वस्तुओं की अनेक स्थानापन्न वस्तुएँ होती हैं, उनकी माँग अधिक लोचदार होती है और जिन वस्तुओं की स्थानापन्न वस्तुएँ नहीं होतीं, उन वस्तुओं की माँग बेलोचदार होती है।

(2) व्यय राशि का अनुपात—जिन वस्तुओं पर आय का अधिकांश भाग खर्च किया जाता है, उन वस्तुओं की माँग की लोच लोचदार होगी और जिन वस्तुओं पर आय का थोड़ा-सा भाग व्यय होता है, उन वस्तुओं की माँग बेलोचदार होगी।

(3) वस्तु का स्वभाव—जो वस्तुएँ जीवन के लिए अनिवार्य होती हैं, उन वस्तुओं की माँग बेलोचदार होती है। आरामदायक वस्तुओं की लोचदार तथा विलासिता की वस्तुओं की माँग अधिक लोचदार होती हैं।

(4) वस्तु के उपभोग को स्थगित करने की सम्भावना—जिन वस्तुओं के उपभोग को थोड़े समय के लिए टाला जा सकता है, उन वस्तुओं की माँग लोचदार होती है, जबकि उन वस्तुओं की माँग बेलोचदार होती है, जिनके उपभोग को स्थगित नहीं किया जा सकता है।

(5) वस्तु के वैकल्पिक प्रयोग—यदि किसी वस्तु के एक से अनेक उपयोग हो सकते हैं, तो उसकी माँग लोचदार होगी, जैसे—बिजली।

प्रश्न 9. माँग को प्रभावित करने वाले कोई पाँच तत्व लिखिए।

उत्तर—माँग को प्रभावित करने वाले प्रमुख तत्व निम्नांकित हैं—

(1) उपभोक्ता की आय—माँग को प्रभावित करने वाली प्रमुख बात उपभोक्ता की आय है। आय के बढ़ने से क्रय-शक्ति बढ़ती है। अतः क्रय-शक्ति के बढ़ने-घटने पर माँग बढ़ती-घटती है।

(2) धन का वितरण—धन के वितरण का भी माँग पर प्रभाव पड़ता है। यदि धन का वितरण समान है, तो माँग बढ़ेगी। अन्यथा माँग में कमी हो जायेगी।

(3) उपभोक्ता की रुचि—माँग पर उपभोक्ताओं की रुचि का भी प्रभाव पड़ता है। जिन वस्तुओं के उपभोग के प्रति उपभोक्ताओं की रुचि बढ़ेगी या जिन वस्तुओं का फैशन बढ़ेगा, उन वस्तुओं की माँग उत्तरोत्तर बढ़ेगी।

(4) भौगोलिक वातावरण—भौगोलिक वातावरण विशेषकर जलवायु का प्रभाव माँग पर पड़ता है। जैसे—गर्मियों की अपेक्षा जाड़ों में गर्म कपड़े, गर्म खाना, गर्म पेय आदि की माँग का बढ़ना।

(5) वस्तुओं का मूल्य—जब किसी वस्तु के मूल्य में कमी आती है, तब उस वस्तु की माँग में वृद्धि होती है और मूल्य के बढ़ने पर माँग घटती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 17. तटस्थता वक्र क्या है ? इसकी विशेषताएँ बताइये।

अथवा

तटस्थता वक्रों की विशेषताएँ समझाइये। (म. प्र. 2019)

उत्तर—तटस्थता वक्र दो वस्तुओं के ऐसे संयोगों को दर्शाती हैं जिनसे उपभोक्ता को एक समान संतुष्टि प्राप्त होती है। इस वक्र की सहायता से एक उपभोक्ता संयोगों से समान संतुष्टि प्राप्त करता है।

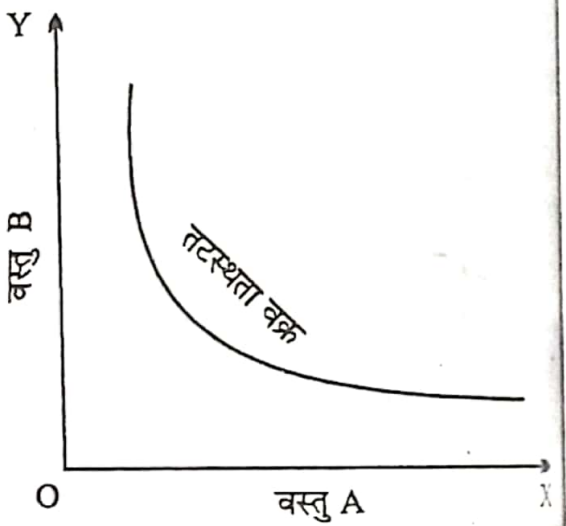

विशेषताएँ—(1) तटस्थता वक्र बाएँ से दाहिने ओर ढालू होता है।

(2) यह वक्र मूल बिन्दु के उन्नतोदर होता है।

(3) यह वक्र उपभोक्ता को प्राप्त समान संतुष्टि की माप है।

(4) किसी उच्च तटस्थता वक्र में उच्च संतुष्टि के स्तर को दर्शाने की क्षमता होती है।

(5) दो तटस्थता वक्रों का न तो स्पर्श हो सकता है और न ही वे एक-दूसरे को विच्छेदित कर सकते हैं।

(6) तटस्थता वक्र दो वस्तुओं के संयोग पर ही बन सकता है।

प्रश्न 18. तटस्थता मानचित्र क्या है ?

उत्तर—तटस्थता मानचित्र से अभिप्राय संतुष्टि के विभिन्न स्तरों पर संतुष्टि को प्रदर्शित करने वाले तटस्थता वक्रों को ही तटस्थता मानचित्र कहते हैं। यह मानचित्र तटस्थता वक्रों का एक समूह होता है जो उपभोक्ता की दो वस्तुओं की संतुष्टि के विभिन्न स्तरों का एक चित्र प्रस्तुत करता है। ऐसा चित्र (वक्र) जो सबसे ऊँचाई पर होता है उसे तटस्थता मानचित्र कहते हैं जो सर्वाधिक संतुष्टि के स्तर को प्राप्त करता है।

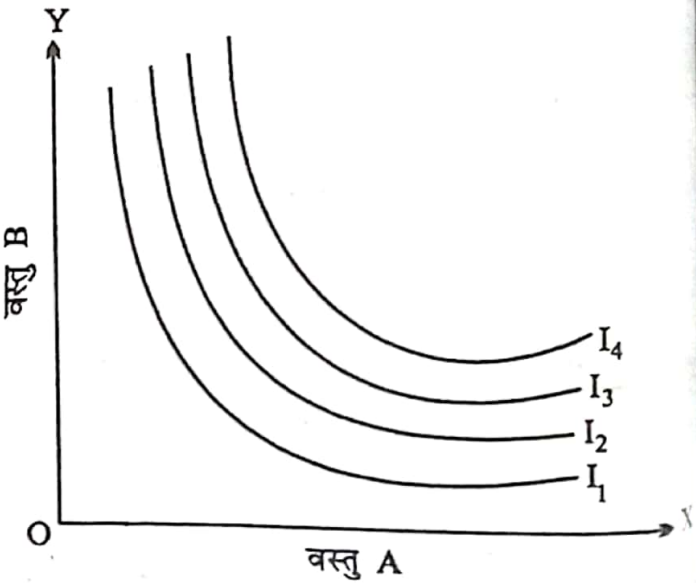

Scanned with CamScanner

प्रश्न 20. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम के दोष लिखिए।

उत्तर—सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम के प्रमुख दोष निम्नांकित हैं—

(1) उपयोगिता का मापन कठिन—आलोचकों के अनुसार सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम के अन्तर्गत उपयोगिता को मापनीय माना गया है, जबकि उपयोगिता मानसिक स्थिति का आभास है जिसको मापना कठिन है।

(2) व्यक्तिगत विचारों एवं विवेक को अधिक महत्व—सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम में व्यक्तिगत विचारों को अधिक महत्व दिया गया है, जो उचित नहीं है। व्यक्ति सदैव विवेक से कार्य नहीं करता, बल्कि वह सामाजिक रीति-रिवाज, फैशन एवं मन के उमंग के बहाव में वस्तुएँ खरीदता और उनका उपभोग करता है।

(3) उपयोगिता पूरक एवं स्थानापन्न वस्तु पर भी निर्भर—उपयोगिता वस्तु की मात्रा के अतिरिक्त उसकी पूरक एवं स्थानापन्न वस्तु पर भी निर्भर करती है, लेकिन नियम इसके प्रभाव की उपेक्षा करता है।

(4) मुद्रा की सीमांत उपयोगिता स्थिर नहीं—आलोचकों के अनुसार मुद्रा की सीमांत उपयोगिता स्थिर नहीं रहती है।

(5) आवश्यकता की पूर्ण संतुष्टि संभव नहीं—आवश्यकता विशेष की पूर्ण संतुष्टि की मान्यता ही गलत है। उपभोग की अवधि लम्बी होने पर मानवीय आवश्यकता की पूर्ण संतुष्टि संभव नहीं हो पाती।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 24. व्यक्तिगत माँग तथा बाजार माँग में अंतर स्पष्ट कीजिए। (कोई पाँच) (म. प्र. 2019)

उत्तर— व्यक्तिगत माँग तथा बाजार माँग में अंतर—

क्र.	अन्तर का आधार	व्यक्तिगत माँग	बाजार माँग
1.	अर्थ	व्यक्तिगत माँग तालिका में एक व्यक्ति के द्वारा एक निश्चित समय अवधि में वस्तु की विभिन्न कीमतों पर वस्तु की खरीदी जाने वाली मात्राओं को दिखाया जाता है।	बाजार में किसी वस्तु के अनेक खरीददार होते हैं। वस्तु की विभिन्न कीमतों पर उनकी अपनी-अपनी माँग होती है।
2.	घटकों का प्रभाव	बाजार माँग को प्रभावित करने वाले सभी घटकों का प्रभाव नहीं होता है।	बाजार माँग पर सभी घटकों का प्रभाव होता है।
3.	संबंध	व्यक्तिगत माँग तालिका एक उपभोक्ता के किसी वस्तु के मूल्य तथा इसकी खरीदी जाने वाली मात्रा के बीच फलनात्मक संबंध को बताती है।	अत: बाजार माँग तालिका एक निश्चित समय अवधि में वस्तु की विभिन्न कीमतों पर उनके सभी खरीददारों द्वारा वस्तु की माँगी गयी मात्राओं के कुल योग को बताती है।
4.	उपभोक्ता वर्ग	वस्तु की मात्रा की माँग व्यक्तिगत उपभोक्ता द्वारा निश्चित समयावधि के लिए की जाती है।	वस्तु की मात्रा की माँग बाजार के समस्त उपभोक्ताओं द्वारा निश्चित समयावधि के लिए की जाती है।
5.	माँग के नियम का पालन	माँग के नियम का पालन व्यक्तिगत उपभोक्ता द्वारा भी किया जा सकता है और नहीं भी।	माँग के नियम का पालन निश्चित ही किया जाता है। कीमत बढ़ने पर बाजार माँग में गिरावट आ जाती है और कीमत घटने पर बाजार माँग बढ़ जाती है।

Scanned with CamScanner